

पॉलीहाउस में जेरबेरा की उन्नत खेती

(*सुनील कुमार सोलंकी)

पुष्प विज्ञान एवं भूनिर्माण विभाग, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़, राजस्थान, भारत

*संवादी लेखक का ईमेल पता: sunilsolankijat@gmail.com

जेरबेरा एक आकर्षक और लोकप्रिय फूल है, जिसका उपयोग सजावट, बुक्के और विभिन्न समारोहों में किया जाता है। इसकी चमकदार रंगों और आकारों के कारण यह बागवानी और फूलों की खेती में बहुत प्रिय है। पॉलीहाउस में जेरबेरा की खेती एक प्रभावी तरीका है, जो फूलों की गुणवत्ता और उत्पादन में सुधार करता है।



पॉलीहाउस में जेरबेरा की खेती

पॉलीहाउस की तैयारी

पॉलीहाउस की डिजाइनिंग और निर्माण में विशेष ध्यान दें। पॉलीहाउस को सही दिशा में बनाना चाहिए ताकि सूर्य की रोशनी अधिकतम मिल सके। पॉलीहाउस की ऊंचाई, आकार और वेंटिलेशन का सही प्रबंधन करना महत्वपूर्ण है।

मिट्टी की तैयारी

जेरबेरा के लिए अच्छी जल निकासी वाली, उपजाऊ मिट्टी आवश्यक है। मिट्टी की तैयारी में गोबर की खाद, कम्पोस्ट और अन्य जैविक उर्वरकों का उपयोग करें। मिट्टी का pH 6.0 से 6.8 के बीच होना चाहिए।

बीज और पौधों का चयन

स्वस्थ और उच्च गुणवत्ता वाले जेरबेरा के पौधों का चयन करें। बीज या कंद का उपयोग कर सकते हैं। यदि पौधों का रोपण कर रहे हैं, तो सुनिश्चित करें कि वे रोग-मुक्त और अच्छे स्वास्थ्य वाले हों।

रोपण तकनीक

जेरबेरा का रोपण आमतौर पर मानसून के बाद किया जाता है। पौधों को 20 से 25 सेंटीमीटर की दूरी पर और 25-30 सेंटीमीटर की गहराई पर रोपित करें। रोपण के दौरान यह सुनिश्चित करें कि जड़ें मिट्टी में अच्छी तरह से दब जाएं।

सिंचाई

पॉलीहाउस में जेरबेरा की सिंचाई नियमित और संतुलित होनी चाहिए। ड्रिप सिंचाई प्रणाली का उपयोग करें, जिससे पानी की बर्बादी कम हो और पौधों को सही मात्रा में नमी मिले। मिट्टी के सूखने पर तुरंत सिंचाई करें।

निषेचन

जेरबेरा की गुणवत्ता और उत्पादन बढ़ाने के लिए संतुलित उर्वरक का उपयोग करें। नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, और पोटैश का सही अनुपात सुनिश्चित करें। फूल आने के समय पोटैश की मात्रा बढ़ाना फायदेमंद होता है।

रोग और कीट प्रबंधन

पॉलीहाउस में रोग और कीटों की समस्या कम होती है, लेकिन फिर भी सावधानी बरतें। जैविक कीटनाशकों और फफूंदनाशकों का उपयोग करें। पौधों की नियमित निगरानी करें और किसी भी समस्या का समय पर समाधान करें।

कटाई और विपणन

जेरबेरा के फूलों को तब काटें जब वे पूरी तरह से खिल जाएं। कटाई सुबह के समय करें, क्योंकि इस समय फूलों में अधिक नमी होती है। कटे हुए फूलों को अच्छी तरह से पैक करें और स्थानीय और ऑनलाइन बाजारों में विपणन करें।